Ath Chaurasi Siddh Chalisa Lyrics and Meaning in English and Hindi

Ath Chaurasi Siddh Chalisa Lyrics in Hindi

दोहा –
श्री गुरु गणनायक सिमर, शारदा का आधार ।
कहूँ सुयश श्रीनाथ का, निज मति के अनुसार ।

श्री गुरु गोरक्षनाथ के चरणों में आदेश ।
जिनके योग प्रताप को , जाने सकल नरेश ।

चौपाई
जय श्रीनाथ निरंजन स्वामी, घट घट के तुम अन्तर्यामी ।

दीन दयालु दया के सागर, सप्तद्वीप नवखण्ड उजागर ।

आदि पुरुष अद्वैत निरंजन, निर्विकल्प निर्भय दु:ख भंजन ।

अजर अमर अविचल अविनाशी, ऋद्धि सिद्धि चरणों की दासी ।

बाल यती ज्ञानी सुखकारी, श्री गुरुनाथ परम हितकारी ।

रूप अनेक जगत में धारे, भगत जनों के संकट टारे ।

सुमिरण चौरंगी जब कीन्हा, हुये प्रसन्न अमर पद दीन्हा ।

सिद्धों के सिरताज मनावो, नव नाथों के नाथ कहावो ।

जिनका नाम लिये भव जाल, आवागमन मिटे तत्काल ।

आदि नाथ मत्स्येन्द्र पीर, घोरम नाथ धुन्धली वीर ।

कपिल मुनि चर्पट कण्डेरी, नीम नाथ पारस चंगेरी ।

परशुराम जमदग्नी नन्दन, रावण मार राम रघुनन्दन ।

कंसादिक असुरन दलहारी, वासुदेव अर्जुन धनुधारी ।

अचलेश्वर लक्ष्मण बल बीर, बलदाई हलधर यदुवीर ।

सारंग नाथ पीर सरसाई, तुङ्गनाथ बद्री बलदाई ।

भूतनाथ धारीपा गोरा, बटुकनाथ भैरो बल जोरा ।

वामदेव गौतम गंगाई, गंगनाथ घोरी समझाई ।

रतन नाथ रण जीतन हारा, यवन जीत काबुल कन्धारा ।

नाग नाथ नाहर रमताई, बनखंडी सागर नन्दाई ।

बंकनाथ कंथड़ सिद्ध रावल, कानीपा निरीपा चन्द्रावल ।

गोपीचन्द भर्तृहरी भूप, साधे योग लखे निज रूप ।

खेचर भूचर बाल गुन्दाई, धर्म नाथ कपली कनकाई ।

सिद्धनाथ सोमेश्वर चण्डी, भुसकाई सुन्दर बहुदण्डी ।

अजयपाल शुकदेव व्यास, नासकेतु नारद सुख रास ।

सनत्कुमार भरत नहीं निंद्रा, सनकादिक शारद सुर इन्द्रा ।

भंवरनाथ आदि सिद्ध बाला, ज्यवन नाथ माणिक मतवाला ।

सिद्ध गरीब चंचल चन्दराई, नीमनाथ आगर अमराई ।

त्रिपुरारी त्र्यम्बक दुःख भंजन, मंजुनाथ सेवक मन रंजन ।

भावनाथ भरम भयहारी, उदयनाथ मंगल सुखकारी ।

सिद्ध जालन्धर मूंगी पावे, जाकी गति मति लखी न जावे ।

ओघड़देव कुबेर भण्डारी, सहजई सिद्धनाथ केदारी ।

कोटि अनन्त योगेश्वर राजा, छोड़े भोग योग के काजा ।

योग युक्ति करके भरपूर, मोह माया से हो गये दूर ।

योग युक्ति कर कुन्ती माई, पैदा किये पांचों बलदाई ।

धर्म अवतार युधिष्ठिर देवा, अर्जुन भीम नकुल सहदेवा ।

योग युक्ति पार्थ हिय धारा, दुर्योधन दल सहित संहारा ।

योग युक्ति पंचाली जानी, दु:शासन से यह प्रण ठानी ।

पावूं रक्त न जब लग तेरा, खुला रहे यह सीस मेरा ।

योग युक्ति सीता उद्धारी, दशकन्धर से गिरा उच्चारी ।

पापी तेरा वंश मिटाऊं, स्वर्ण लङ्क विध्वंस कराऊँ ।

श्री रामचन्द्र को यश दिलाऊँ, तो मैं सीता सती कहाऊँ ।

योग युक्ति अनुसूया कीनों, त्रिभुवन नाथ साथ रस भीनों ।

देवदत्त अवधूत निरंजन, प्रगट भये आप जग वन्दन ।

योग युक्ति मैनावती कीन्ही, उत्तम गति पुत्र को दीनी ।

योग युक्ति की बंछल मातू, गूंगा जाने जगत विख्यातू ।

योग युक्ति मीरा ने पाई, गढ़ चित्तौड़ में फिरी दुहाई ।

योग युक्ति अहिल्या जानी, तीन लोक में चली कहानी ।

सावित्री सरसुती भवानी, पारबती शङ्कर सनमानी ।

सिंह भवानी मनसा माई, भद्र कालिका सहजा बाई ।

कामरू देश कामाक्षा योगन, दक्षिण में तुलजा रस भोगन ।

उत्तर देश शारदा रानी, पूरब में पाटन जग मानी ।

पश्चिम में हिंगलाज विराजे, भैरव नाद शंखध्वनि बाजे ।

नव कोटिक दुर्गा महारानी, रूप अनेक वेद नहिं जानी ।

काल रूप धर दैत्य संहारे, रक्त बीज रण खेत पछारे ।

मैं योगन जग उत्पति करती, पालन करती संहृति करती ।

जती सती की रक्षा करनी, मार दुष्ट दल खप्पर भरनी ।

मैं श्रीनाथ निरंजन दासी, जिनको ध्यावे सिद्ध चौरासी ।

योग युक्ति विरचे ब्रह्मण्डा, योग युक्ति थापे नवखण्डा ।

योग युक्ति तप तपें महेशा, योग युक्ति धर धरे हैं शेषा ।

योग युक्ति विष्णू तन धारे, योग युक्ति असुरन दल मारे ।

योग युक्ति गजआनन जाने, आदि देव तिरलोकी माने ।

योग युक्ति करके बलवान, योग युक्ति करके बुद्धिमान ।

योग युक्ति कर पावे राज, योग युक्ति कर सुधरे काज ।

योग युक्ति योगीश्वर जाने, जनकादिक सनकादिक माने ।

योग युक्ति मुक्ती का द्वारा, योग युक्ति बिन नहिं निस्तारा ।

योग युक्ति जाके मन भावे, ताकी महिमा कही न जावे ।

जो नर पढ़े सिद्ध चालीसा, आदर करें देव तेंतीसा ।

साधक पाठ पढ़े नित जोई, मनोकामना पूरण होई ।

धूप दीप नैवेद्य मिठाई, रोट लंगोट को भोग लगाई ।

दोहा –
रतन अमोलक जगत में, योग युक्ति है मीत ।
नर से नारायण बने, अटल योग की रीत ।

योग विहंगम पंथ को, आदि नाथ शिव कीन्ह ।

शिष्य प्रशिष्य परम्परा, सब मानव को दीन्ह ।

प्रातः काल स्नान कर, सिद्ध चालीसा ज्ञान ।
पढ़ें सुने नर पावही, उत्तम पद निर्वाण ।

Ath Chaurasi Siddh Chalisa Meaning in Hindi

दोहा
श्री गुरु गणनायक सिमर, शारदा का आधार।

- श्री गुरु, जो गणों के नायक और विद्या की देवी शारदा के आधार हैं, उनका स्मरण करो।

कहूँ सुयश श्रीनाथ का, निज मति के अनुसार।

- मैं अपनी बुद्धि के अनुसार श्रीनाथ जी की महिमा का वर्णन करता हूँ।

श्री गुरु गोरक्षनाथ के चरणों में आदेश।

- श्री गुरु गोरक्षनाथ के चरणों में मैं अपनी श्रद्धा निवेदित करता हूँ।

जिनके योग प्रताप को, जाने सकल नरेश।

- जिनके योग के प्रभाव को सभी राजा जानते और सम्मान करते हैं।

चौपाई

जय श्रीनाथ निरंजन स्वामी, घट घट के तुम अन्तर्यामी।

- जय हो श्रीनाथ, निराकार स्वामी! आप प्रत्येक हृदय में रहते हैं और सबके भीतर के भावों को जानते हैं।

दीन दयालु दया के सागर, सप्तद्वीप नवखण्ड उजागर।

- आप दीनों पर दया करने वाले हैं और करुणा के सागर हैं। आपकी महिमा सातों महाद्वीपों और नौ खंडों में प्रसिद्ध है।

आदि पुरुष अद्वैत निरंजन, निर्विकल्प निर्भय दुःख भंजन।

- आप आदि पुरुष हैं, जो अद्वैत और निराकार हैं। आप निडर, संकल्पहीन, और सभी दुखों का नाश करने वाले हैं।

अजर अमर अविचल अविनाशी, ऋद्धि सिद्धि चरणों की दासी।

- आप अजर, अमर, स्थिर और अविनाशी हैं। आपकी चरण सेवा में ऋद्धि और सिद्धि रहती हैं।

बाल यती ज्ञानी सुखकारी, श्री गुरुनाथ परम हितकारी।

- आप ज्ञानवान बाल योगी हैं, जो सुख देने वाले और परम कल्याणकारी हैं।

रूप अनेक जगत में धारे, भगत जनों के संकट टारे।

- आपने विभिन्न रूपों में इस संसार में अवतार लिया और अपने भक्तों के संकट दूर किए।

सुमिरण चौरंगी जब कीन्हा, हुये प्रसन्न अमर पद दीन्हा।

- जब चौरंगी ने आपका स्मरण किया, तो आप प्रसन्न होकर उन्हें अमर पद प्रदान कर दिया।

सिद्धों के सिरताज मनावो, नव नाथों के नाथ कहावो।

- आप सिद्धों के राजा और नव नाथों के स्वामी माने जाते हैं।

जिनका नाम लिये भव जाल, आवागमन मिटे तत्काल।

- जो आपका नाम लेता है, उसका संसार के बंधन और जन्म-मृत्यु का चक्र तुरंत समाप्त हो जाता है।

आदि नाथ मत्स्येन्द्र पीर, घोरम नाथ धुन्धली वीर।

- आप आदि नाथ, मत्स्येन्द्रनाथ, और महान वीर गोरखनाथ हैं।

कपिल मुनि चर्पट कण्डेरी, नीम नाथ पारस चंगेरी।

- आपने कपिल मुनि, चर्पटनाथ, नीम नाथ और पारसनाथ को योग का ज्ञान प्रदान किया।

परशुराम जमदग्नी नन्दन, रावण मार राम रघुनन्दन।

- आपने परशुराम, जमदग्नि के पुत्र, का मार्गदर्शन किया और राम को रावण पर विजय दिलवाई।

कंसादिक असुरन दलहारी, वासुदेव अर्जुन धनुधारी।

- आपने कंस और अन्य राक्षसों का विनाश किया और अर्जुन को महाभारत युद्ध में विजय दिलाई।

अचलेश्वर लक्ष्मण बल बीर, बलदाई हलधर यदुवीर।

- आप अचलेश्वर और बलवीर लक्ष्मण के संरक्षक हैं। आपने बलराम और अन्य यदुवंशीय वीरों को शक्ति दी।

सारंग नाथ पीर सरसाई, तुङ्गनाथ बद्री बलदाई।

- आप सारंगनाथ, तुंगनाथ, और बद्रीनाथ के रूप में पूजे जाते हैं।

भूतनाथ धारीपा गोरा, बटुकनाथ भैरो बल जोरा।

- आप भूतनाथ, धारीपा, और बटुकनाथ भैरव के रूप में जगत में प्रसिद्ध हैं।

वामदेव गौतम गंगाई, गंगनाथ घोरी समझाई।

- आप वामदेव, गौतम और गंगनाथ जैसे ऋषियों को दिव्य ज्ञान देने वाले हैं।

रतन नाथ रण जीतन हारा, यवन जीत काबुल कन्धारा।

- आप रतननाथ हैं, जिन्होंने युद्ध में विजय प्राप्त की और विदेशी प्रदेशों जैसे काबुल को भी जीत लिया।

नाग नाथ नाहर रमताई, बनखंडी सागर नन्दाई।

- आप नागनाथ और वनखंडी नाथ के रूप में साधकों को आनंद प्रदान करते हैं।

बंकनाथ कंथड़ सिद्ध रावल, कानीपा निरीपा चन्द्रावल।

- आप बंकनाथ और सिद्ध कानीपा को भी अपने योग द्वारा ज्ञान प्रदान करने वाले हैं।

गोपीचन्द भर्तृहरी भूप, साधे योग लखे निज रूप।

- आपने गोपीचंद और भर्तृहरि जैसे राजाओं को योग साधना द्वारा आत्म-साक्षात्कार करवाया।

खेचर भूचर बाल गुन्दाई, धर्म नाथ कपली कनकाई।

- आप खगोलिक और स्थलीय शक्तियों के स्वामी हैं और धर्मनाथ जैसे सिद्धों को भी वरदान देने वाले हैं।

सिद्धनाथ सोमेश्वर चण्डी, भुसकाई सुन्दर बहुदण्डी।

- आप सिद्धनाथ, सोमेश्वर और चंडी के रक्षक हैं। आप कई साधकों को संयम और अनुशासन में मार्गदर्शन देने वाले हैं।

अजयपाल शुकदेव व्यास, नासकेतु नारद सुख रास।

- आप अजयपाल, शुकदेव, और व्यास जैसे महापुरुषों को ज्ञान प्रदान करने वाले हैं। आप नासकेतु और नारद को भी आनंदमयी स्थिति में बनाए रखने वाले हैं।

सनत्कुमार भरत नहीं निंद्रा, सनकादिक शारद सुर इन्द्रा।

- आप सनत्कुमार और भरत के पूज्य हैं। सनकादिक ऋषि और देवताओं के राजा इन्द्र भी आपको सम्मानित करते हैं।

भंवरनाथ आदि सिद्ध बाला, ज्यवन नाथ माणिक मतवाला।

- आप भंवरनाथ और आदि सिद्ध के रूप में प्रसिद्ध हैं। जिवननाथ और माणिकनाथ आपके भक्त हैं।

सिद्ध गरीब चंचल चन्दराई, नीमनाथ आगर अमराई।

- आप गरीब और चंचल साधकों के सहायक हैं। आप नीमनाथ और आगरनाथ को अमरत्व प्रदान करने वाले हैं।

त्रिपुरारी त्र्यम्बक दुःख भंजन, मंजुनाथ सेवक मन रंजन।

- आप त्रिपुरारी और त्र्यम्बकेश्वर हैं, जो सभी दुखों का नाश करते हैं। मंजुनाथ आपके सेवक हैं, जो भक्तों का मन प्रसन्न करते हैं।

भावनाथ भरम भयहारी, उदयनाथ मंगल सुखकारी।

- आप भावनाथ हैं, जो भ्रम और भय का नाश करते हैं। उदयनाथ के रूप में आप मंगलमय सुख देने वाले हैं।

सिद्ध जालन्धर मूंगी पावे, जाकी गति मति लखी न जावे।

- आप सिद्ध जालंधर और मूंगी के संरक्षक हैं। आपकी लीला और गति को समझ पाना कठिन है।

ओघड़देव कुबेर भण्डारी, सहजई सिद्धनाथ केदारी।

- आप ओघड़देव और कुबेर के रूप में धन के स्वामी हैं। आप सहज ही सिद्धनाथ और केदारनाथ के रूप में पूजे जाते हैं।

कोटि अनन्त योगेश्वर राजा, छोड़े भोग योग के काजा।

- आप करोड़ों योगियों और राजाओं के पूज्य हैं। आपने सभी भोगों को त्यागकर योग को अपनाया।

योग युक्ति करके भरपूर, मोह माया से हो गये दूर।

- आपने योग के माध्यम से अपने जीवन को पूर्ण बनाया और मोह-माया से मुक्त हो गए।

योग युक्ति कर कुन्ती माई, पैदा किये पांचों बलदाई।

- योग की शक्ति से माता कुन्ती ने पांचों पांडवों को जन्म दिया।

धर्म अवतार युधिष्ठिर देवा, अर्जुन भीम नकुल सहदेवा।

- धर्म के अवतार युधिष्ठिर और उनके भाई अर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव सभी योग शक्ति से विभूषित थे।

योग युक्ति पार्थ हिय धारा, दुर्योधन दल सहित संहारा।

- योग शक्ति से प्रेरित होकर अर्जुन (पार्थ) ने अपने हृदय को स्थिर किया और दुर्योधन सहित उसके दल का विनाश किया।

योग युक्ति पंचाली जानी, दु:शासन से यह प्रण ठानी।

- योग शक्ति से सशक्त होकर द्रौपदी (पंचाली) ने दुर्योधन के भाई दु:शासन से प्रतिशोध लेने का संकल्प लिया।

पावूं रक्त न जब लग तेरा, खुला रहे यह सीस मेरा।

- उसने प्रतिज्ञा की कि जब तक दु:शासन का रक्त उसके पैरों पर न लगे, उसके बाल खुले रहेंगे।

योग युक्ति सीता उद्धारी, दशकन्धर से गिरा उच्चारी।

- योग शक्ति से सीता का उद्धार हुआ और उन्हें दस सिर वाले रावण के बंधन से मुक्त किया गया।

पापी तेरा वंश मिटाऊं, स्वर्ण लंका विध्वंस कराऊँ।

- मैं तेरे पापी वंश का नाश करूंगा और तेरी स्वर्ण नगरी लंका को नष्ट कर दूंगा।

श्री रामचन्द्र को यश दिलाऊँ, तो मैं सीता सती कहाऊँ।

- मैं श्रीराम को यश दिलाऊंगी और तब ही मुझे सती सीता कहा जाएगा।

योग युक्ति अनुसूया कीनों, त्रिभुवन नाथ साथ रस भीनों।

- योग की शक्ति से अनुसूया ने त्रिभुवन के स्वामी के साथ दिव्य आनंद प्राप्त किया।

देवदत्त अवधूत निरंजन, प्रगट भये आप जग वन्दन।

- आप देवदत्त अवधूत के रूप में प्रकट हुए और समस्त संसार ने आपकी वंदना की।

योग युक्ति मैनावती कीन्ही, उत्तम गति पुत्र को दीनी।

- मैनावती ने योग शक्ति से अपने पुत्र को उत्तम गति (आध्यात्मिक उन्नति) प्रदान की।

योग युक्ति की बंछल मातू, गूंगा जाने जगत विख्यातू।

- योग शक्ति से बंछल माता का मूक पुत्र विश्व में प्रसिद्ध हुआ।

योग युक्ति मीरा ने पाई, गढ़ चित्तौड़ में फिरी दुहाई।

- मीरा ने योग के द्वारा आत्मज्ञान प्राप्त किया और चित्तौड़गढ़ में अपने भक्ति संदेश को फैलाया।

योग युक्ति अहिल्या जानी, तीन लोक में चली कहानी।

- योग शक्ति से अहिल्या का उद्धार हुआ और उनकी कहानी तीनों लोकों में प्रसिद्ध हो गई।

सावित्री सरसुती भवानी, पारबती शङ्कर सनमानी।

- आप सावित्री, सरस्वती और भवानी के रूप में पूजित हैं, जिन्हें स्वयं पार्वती और शिव ने सम्मानित किया।

सिंह भवानी मनसा माई, भद्र कालिका सहजा बाई।

- आप सिंहवाहिनी भवानी, मनसा देवी, और भद्र कालिका के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

कामरू देश कामाक्षा योगन, दक्षिण में तुलजा रस भोगन।

- आप कामरूप देश में कामाक्षा देवी और दक्षिण में तुलजा भवानी के रूप में प्रसिद्ध हैं।

उत्तर देश शारदा रानी, पूरब में पाटन जग मानी।

- आप उत्तर में शारदा देवी और पूरब में पाटन की देवी के रूप में पूजी जाती हैं।

पश्चिम में हिंगलाज विराजे, भैरव नाद शंखध्वनि बाजे।

- पश्चिम में आप हिंगलाज देवी के रूप में विराजमान हैं, जहां भैरव नाद और शंखध्वनि गूंजती है।

नव कोटिक दुर्गा महारानी, रूप अनेक वेद नहिं जानी।

- आप नौ करोड़ रूपों वाली दुर्गा महारानी हैं, जिनके अनेक स्वरूपों को वेद भी नहीं जान सकते।

काल रूप धर दैत्य संहारे, रक्त बीज रण खेत पछारे।

- आप काल रूप धारण कर दानवों का संहार करती हैं और रक्तबीज जैसे राक्षसों का विनाश करती हैं।

मैं योगन जग उत्पति करती, पालन करती संहृति करती।

- मैं योग शक्ति से संसार की उत्पत्ति, पालन और संहार करती हूँ।

जती सती की रक्षा करनी, मार दुष्ट दल खप्पर भरनी।

- मैं योग साधकों और सतियों की रक्षा करती हूँ और दुष्टों का दल नष्ट कर देती हूँ।

मैं श्रीनाथ निरंजन दासी, जिनको ध्यावे सिद्ध चौरासी।

- मैं श्रीनाथ निरंजन की दासी हूँ, जिनकी 84 सिद्ध साधक उपासना करते हैं।

योग युक्ति विरचे ब्रह्मण्डा, योग युक्ति थापे नवखण्डा।

- योग शक्ति से मैंने ब्रह्मांड की रचना की और नौ खंडों को स्थापित किया।

योग युक्ति तप तपें महेशा, योग युक्ति धर धरे हैं शेषा।

- योग साधना से महेश (शिव) तपस्या करते हैं और शेषनाग योग शक्ति से पृथ्वी को धारण करते हैं।

योग युक्ति विष्णू तन धारे, योग युक्ति असुरन दल मारे।

- योग शक्ति से भगवान विष्णु अवतार धारण करते हैं और राक्षसों का विनाश करते हैं।

योग युक्ति गजआनन जाने, आदि देव तिरलोकी माने।

- योग शक्ति को गजानन (गणेश) जानते हैं और तीनों लोकों में आदि देव के रूप में माने जाते हैं।

योग युक्ति करके बलवान, योग युक्ति करके बुद्धिमान।

- योग शक्ति से व्यक्ति बलवान और बुद्धिमान बनता है।

योग युक्ति कर पावे राज, योग युक्ति कर सुधरे काज।

- योग साधना से व्यक्ति राजसत्ता प्राप्त कर सकता है और सभी कार्य सफल होते हैं।

योग युक्ति योगीश्वर जाने, जनकादिक सनकादिक माने।

- योग की गहराई को योगेश्वर जानते हैं और राजा जनक एवं सनकादिक ऋषि इसका सम्मान करते हैं।

योग युक्ति मुक्ती का द्वारा, योग युक्ति बिन नहिं निस्तारा।

- योग ही मुक्ति का मार्ग है, और योग के बिना जीवन-मृत्यु के चक्र से मुक्ति संभव नहीं।

योग युक्ति जाके मन भावे, ताकी महिमा कही न जावे।

- जिसका मन योग में रम जाता है, उसकी महिमा का वर्णन करना असंभव है।

जो नर पढ़े सिद्ध चालीसा, आदर करें देव तेंतीसा।

- जो भी इस सिद्ध चालीसा का पाठ करता है, उसे 33 कोटि देवता आदर देते हैं।

साधक पाठ पढ़े नित जोई, मनोकामना पूरण होई।

- जो साधक नियमित रूप से इसका पाठ करता है, उसकी सभी इच्छाएँ पूरी होती हैं।

धूप दीप नैवेद्य मिठाई, रोट लंगोट को भोग लगाई।

- धूप, दीप, नैवेद्य, मिठाई और रोट-लंगोट का भोग अर्पित करो।

दोहा
रतन अमोलक जगत में, योग युक्ति है मीत।

- योग की युक्ति संसार में अनमोल रत्न के समान है और सच्ची मित्र है।

नर से नारायण बने, अटल योग की रीत।

- योग के नियमों का पालन करके मनुष्य नारायण (देवता) बन सकता है।

योग विहंगम पंथ को, आदि नाथ शिव कीन्ह।

- योग के विहंगम पंथ (उच्च मार्ग) की स्थापना आदि नाथ भगवान शिव ने की।

शिष्य प्रशिष्य परम्परा, सब मानव को दीन्ह।

- यह पंथ गुरु-शिष्य परंपरा से मानव जाति को प्रदान किया गया।

प्रातः काल स्नान कर, सिद्ध चालीसा ज्ञान।

- प्रात:काल स्नान करके सिद्ध चालीसा का पाठ या श्रवण करने से ज्ञान प्राप्त होता है।

पढ़ें सुने नर पावही, उत्तम पद निर्वाण।

- जो व्यक्ति इसका पाठ करता या सुनता है, वह सर्वोच्च अवस्था यानी निर्वाण को प्राप्त करता है।

Ath Chaurasi Siddh Chalisa Lyrics in English

Doha

Shri Guru Gananayak Simar, Sharada ka Aadhaar.
Kahun Suyash Shrinath ka, Nij Mati ke Anusaar.

Shri Guru Gorakhnath ke Charanon mein Aadesh.

Jinke Yog Pratap ko, Jaane Sakal Naresh.

Chaupai

Jai Shrinath Niranjan Swami, Ghat Ghat ke Tum Antaryami.
Deen Dayalu Daya ke Sagar, Saptadweep Navkhand Ujagar.

Adi Purush Advait Niranjan, Nirvikalp Nirbhay Dukh Bhanjan.
Ajar Amar Avichal Avinashi, Riddhi Siddhi Charanon ki Dasi.

Baal Yati Gyani Sukhkari, Shri Gurunath Param Hitkari.
Roop Anek Jagat mein Dhaare, Bhagat Janon ke Sankat Taare.

Sumiran Chaurangi Jab Keenha, Huye Prasann Amar Pad Deenha.
Siddhon ke Sirtaaj Manavo, Nav Nathon ke Naath Kahavo.

Jinka Naam Liye Bhav Jaal, Aavagan Mitte Tatkaal.
Adi Nath Matsyendra Peer, Ghoram Nath Dhundhli Veer.

Kapil Muni Charpat Kanderi, Neem Nath Paras Changeri.
Parshuram Jamdagni Nandan, Ravan Maar Ram Raghunandan.

Kansadik Asuran Dalhari, Vasudev Arjun Dhanudhari.
Achaleshwar Lakshman Bal Veer, Baldai Haldhar Yaduveer.

Sarang Nath Peer Sarsai, Tungnath Badri Baldai.
Bhootnath Dharipa Gora, Batuknath Bhairo Bal Jora.

Vamdev Gautam Gangai, Gangnath Ghori Samjhai.
Ratan Nath Ran Jeetan Haara, Yavan Jeet Kabul Khandara.

Nag Nath Nahar Ramtai, Bankhandi Sagar Nandai.
Banknath Kanthad Siddh Rawal, Kanipa Niripa Chandrawal.

Gopichand Bhartrihari Bhoop, Sadhe Yog Lakhe Nij Roop.
Khechar Bhuchar Baal Gundai, Dharm Nath Kapli Kankai.

Siddhnath Someshwar Chandi, Bhuskai Sundar Bahudandi.
Ajaypal Shukdev Vyas, Nasketu Narad Sukh Ras.

Sanatkumar Bharat Nahi Nindra, Sanakadik Sharad Sur Indra.
Bhanvarnath Adi Siddh Baala, Jivan Nath Manik Matwala.

Siddh Gareeb Chanchal Chandrai, Neemnath Aagar Amarai.
Tripurari Tryambak Dukh Bhanjan, Manjunath Sevak Man Ranjan.

Bhavnath Bharam Bhayhari, Udaynath Mangal Sukhkari.
Siddh Jalandhar Mungi Paave, Jaaki Gati Mati Lakhi Na Jaave.

Oghaddev Kuber Bhandari, Sahajai Siddhnath Kedari.
Koti Anant Yogeshwar Raja, Chhode Bhog Yog ke Kaja.

Yog Yukti Karke Bharpoor, Moh Maya se Ho Gaye Door.
Yog Yukti Kar Kunti Maai, Paida Kiye Paanchon Baldai.

Dharm Avtaar Yudhishthir Deva, Arjun Bheem Nakul Sahdeva.
Yog Yukti Parth Hiy Dhaara, Duryodhan Dal Sahit Sanhaara.

Yog Yukti Panchali Jani, Dushasan se Yah Pran Thani.
Paavoon Rakt Na Jab Lag Tera, Khula Rahe Yah Sees Mera.

Yog Yukti Sita Uddhaari, Dashkandhar se Gira Uchhaari.
Paapi Tera Vansh Mitaoon, Swarn Lanka Vidhwans Karaoon.

Shri Ramchandra ko Yash Dilaaoon, To Main Sita Sati Kahaoon.
Yog Yukti Anusuya Keenon, Tribhuvan Nath Saath Ras Bheenon.

Devdatt Avdhoot Niranjan, Pragat Bhaye Aap Jag Vandan.
Yog Yukti Mainavati Keenhi, Uttam Gati Putra ko Deeni.

Yog Yukti ki Banchhal Maatu, Goonga Jaane Jagat Vikhyaatu.
Yog Yukti Meera Ne Paai, Garh Chittaur mein Phiri Duhai.

Yog Yukti Ahilya Jani, Teen Lok mein Chali Kahani.
Savitri Saraswati Bhavani, Parbati Shankar Sanmaani.

Singh Bhavani Mansa Maai, Bhadr Kalika Sahja Baai.
Kamroo Desh Kamaksha Yogan, Dakshin mein Tulja Ras Bhogan.

Uttar Desh Sharada Rani, Poorab mein Patan Jag Mani.
Pashchim mein Hinglaj Viraje, Bhairav Naad Shankhadhwani Baje.

Nav Kotik Durga Maharani, Roop Anek Ved Nahi Jaani.
Kaal Roop Dhar Daitya Sanhare, Rakt Beej Ran Khet Pachhare.

Main Yogan Jag Utpati Karti, Palan Karti Sanhriti Karti.
Jati Sati ki Raksha Karni, Maar Dusht Dal Khaps Bharni.

Main Shrinath Niranjan Daasi, Jinko Dhyaave Siddh Chaurasi.
Yog Yukti Virache Brahmanda, Yog Yukti Thape Navkhanda.

Yog Yukti Tap Tapen Mahesha, Yog Yukti Dhar Dhare Hain Shesha.
Yog Yukti Vishnu Tan Dhaare, Yog Yukti Asuran Dal Maare.

Yog Yukti Gajanan Jaane, Adi Dev Tirloaki Maane.
Yog Yukti Karke Balwaan, Yog Yukti Karke Buddhimaan.

Yog Yukti Kar Paave Raaj, Yog Yukti Kar Sudhre Kaaj.
Yog Yukti Yogeshwar Jaane, Janakadik Sanakadik Maane.

Yog Yukti Mukti ka Dwara, Yog Yukti Bin Nahi Nistaara.
Yog Yukti Jaake Man Bhaave, Taaki Mahima Kahi Na Jaave.

Jo Nar Padhe Siddh Chalisa, Aadar Karein Dev Teintisa.
Sadhak Paath Padhe Nit Joi, Manokamna Puran Hoi.

Dhoop Deep Naivedya Mithai, Rot Langot ko Bhog Lagai.

Doha

Ratan Amolak Jagat mein, Yog Yukti Hai Meet.
Nar se Narayan Bane, Atal Yog ki Reet.

Yog Vihangam Panth ko, Adi Nath Shiv Keen.
Shishya Prashishya Parampara, Sab Manav ko Deen.

Pratah Kaal Snaan Kar, Siddh Chalisa Gyaan.
Padhein Sune Nar Paavahi, Uttam Pad Nirvaan.

Ath Chaurasi Siddh Chalisa Meaning in English

Doha
Shri Guru Gananayak Simar, Sharada ka Aadhaar.

- Meditate upon the supreme Guru, the leader of all beings, who is the foundation of wisdom and knowledge.

Kahun Suyash Shrinath ka, Nij Mati ke Anusaar.

- I describe the glory of Lord Shrinath according to my own understanding and devotion.

Shri Guru Gorakhnath ke Charanon mein Aadesh.

- I offer my salutations at the feet of Guru Gorakhnath.

Jinke Yog Pratap ko, Jaane Sakal Naresh.

- His yogic power and influence are known and respected by all the kings.

Chaupai
Jai Shrinath Niranjan Swami, Ghat Ghat ke Tum Antaryami.

- Hail to Lord Shrinath, the formless master, who resides within every heart and knows all inner thoughts.

Deen Dayalu Daya ke Sagar, Saptadweep Navkhand Ujagar.

- You are the compassionate Lord, an ocean of mercy, shining across all seven continents and nine regions of the world.

Adi Purush Advait Niranjan, Nirvikalp Nirbhay Dukh Bhanjan.

- You are the original, non-dual, formless being, free from doubts and fear, the destroyer of all sorrows.

Ajar Amar Avichal Avinashi, Riddhi Siddhi Charanon ki Dasi.

- You are eternal, immortal, unchanging, and indestructible, with spiritual powers serving at your feet.

Baal Yati Gyani Sukhkari, Shri Gurunath Param Hitkari.

- You, as a young ascetic, are full of knowledge and a source of happiness. Guru Nath is the ultimate benefactor.

Roop Anek Jagat mein Dhaare, Bhagat Janon ke Sankat Taare.

- You have taken many forms across the world and protect your devotees from their troubles.

Sumiran Chaurangi Jab Keenha, Huye Prasann Amar Pad Deenha.

- When Chaurangi remembered you, you became pleased and granted him the eternal position of immortality.

Siddhon ke Sirtaaj Manavo, Nav Nathon ke Naath Kahavo.

- You are regarded as the king of all accomplished beings and the master of the nine Nath sages.

Jinka Naam Liye Bhav Jaal, Aavagan Mitte Tatkaal.

- By taking your name, the cycles of birth and death are instantly destroyed.

Adi Nath Matsyendra Peer, Ghoram Nath Dhundhli Veer.

- You are the revered Adi Nath, Matsyendra Nath, and the valiant Gorakhnath.

Kapil Muni Charpat Kanderi, Neem Nath Paras Changeri.

- You have blessed sages like Kapil Muni, Charpat Nath, and Neem Nath.

Parshuram Jamdagni Nandan, Ravan Maar Ram Raghunandan.

- You supported Parshuram, son of Jamdagni, and helped Lord Ram defeat the demon king Ravana.

Kansadik Asuran Dalhari, Vasudev Arjun Dhanudhari.

- You destroyed demons like Kansa and assisted Vasudev’s son, Arjuna, the wielder of the bow.

Achaleshwar Lakshman Bal Veer, Baldai Haldhar Yaduveer.

- You blessed strong warriors like Lakshman, Baldau (Balaram), and other Yadu heroes.

Sarang Nath Peer Sarsai, Tungnath Badri Baldai.

- You are the protector of Sarang Nath, Tungnath, and Badri Nath.

Bhootnath Dharipa Gora, Batuknath Bhairo Bal Jora.

- You are Bhootnath, Dharipa Nath, and the powerful Batuknath Bhairava.

Vamdev Gautam Gangai, Gangnath Ghori Samjhai.

- You are associated with sages like Vamdev and Gautam and protectors like Gangnath.

Ratan Nath Ran Jeetan Haara, Yavan Jeet Kabul Khandara.

- You are Ratan Nath, victorious in battles, who also conquered foreign regions like Kabul.

Nag Nath Nahar Ramtai, Bankhandi Sagar Nandai.

- You are Nagnath and Bankhandi Nath, bringing joy to those who meditate on you.

Banknath Kanthad Siddh Rawal, Kanipa Niripa Chandrawal.

- You blessed Banknath, Kanipa Nath, and other Siddhas with supreme knowledge.

Gopichand Bhartrihari Bhoop, Sadhe Yog Lakhe Nij Roop.

- You enlightened kings like Gopichand and Bhartrihari, revealing the path of yoga.

Khechar Bhuchar Baal Gundai, Dharm Nath Kapli Kankai.

- You are worshipped by celestial and earthly beings and ascetics like Dharm Nath.

Siddhnath Someshwar Chandi, Bhuskai Sundar Bahudandi.

- You are Siddhnath and Someshwar, protector of Chandi, and master of ascetics with many disciplines.

Ajaypal Shukdev Vyas, Nasketu Narad Sukh Ras.

- You blessed sages like Ajaypal, Shukdev, and Vyas, along with Nasketu and Narad, who are immersed in divine bliss.

Sanatkumar Bharat Nahi Nindra, Sanakadik Sharad Sur Indra.

- You are revered by Sanatkumar and Bharat, and remain ever awake, honored by the four Kumaras and gods like Indra.

Bhanvarnath Adi Siddh Baala, Jivan Nath Manik Matwala.

- You are Bhanvarnath and the primal Siddh, with Jivan Nath and Manik Nath deeply devoted to you.

Siddh Gareeb Chanchal Chandrai, Neemnath Aagar Amarai.

- You support humble Siddhas like Chanchal Nath, Chandra Nath, and Neemnath, granting them immortality.

Tripurari Tryambak Dukh Bhanjan, Manjunath Sevak Man Ranjan.

- You are Tripurari and Tryambak, destroyer of sorrows, and Manjunath, who pleases the minds of his devotees.

Bhavnath Bharam Bhayhari, Udaynath Mangal Sukhkari.

- You are Bhavnath, remover of fear and confusion, and Udaynath, who

brings prosperity and happiness.

Siddh Jalandhar Mungi Paave, Jaaki Gati Mati Lakhi Na Jaave.

- You blessed Siddha Jalandhar and others whose spiritual journey is beyond comprehension.

Oghaddev Kuber Bhandari, Sahajai Siddhnath Kedari.

- You are Oghaddev and Kuber, the divine treasurer, as well as Siddhnath of Kedarnath, known for simplicity.

Koti Anant Yogeshwar Raja, Chhode Bhog Yog ke Kaja.

- Millions of yogic masters and rulers have renounced worldly pleasures to follow the path of yoga under your guidance.

Yog Yukti Karke Bharpoor, Moh Maya se Ho Gaye Door.

- By fully mastering yogic techniques, they distanced themselves from worldly illusions and attachments.

Yog Yukti Kar Kunti Maai, Paida Kiye Paanchon Baldai.

- With yogic power, Kunti gave birth to her five sons, the Pandavas.

Dharm Avtaar Yudhishthir Deva, Arjun Bheem Nakul Sahdeva.

- Yudhishthir, Arjun, Bheem, Nakul, and Sahdev were incarnations of divine virtues through yoga.

Yog Yukti Parth Hiy Dhaara, Duryodhan Dal Sahit Sanhaara.

- Using yogic power, Arjun (Parth) focused his heart and defeated Duryodhan and his army.

Yog Yukti Panchali Jani, Dushasan se Yah Pran Thani.

- Draupadi (Panchali), empowered by yoga, vowed to keep her hair untied until she avenged her humiliation by Dushasan.

Paavoon Rakt Na Jab Lag Tera, Khula Rahe Yah Sees Mera.

- She swore to keep her head uncovered until she smeared her feet with the blood of her enemy.

Yog Yukti Sita Uddhaari, Dashkandhar se Gira Uchhaari.

- Sita was rescued from the clutches of the ten-headed demon Ravana through yogic power.

Paapi Tera Vansh Mitaoon, Swarn Lanka Vidhwans Karaoon.

- I will wipe out your sinful lineage and destroy your golden kingdom, Lanka.

Shri Ramchandra ko Yash Dilaaoon, To Main Sita Sati Kahaoon.

- I will bring glory to Lord Ramchandra and be recognized as the virtuous Sita.

Yog Yukti Anusuya Keenon, Tribhuvan Nath Saath Ras Bheenon.

- Through yogic power, Anusuya attained bliss in the presence of the Lord of the three worlds.

Devdatt Avdhoot Niranjan, Pragat Bhaye Aap Jag Vandan.

- Devdatt, the ascetic Niranjan, manifested and was revered by the entire world.

Yog Yukti Mainavati Keenhi, Uttam Gati Putra ko Deeni.

- With yoga, Mainavati blessed her son with the highest spiritual path.

Yog Yukti ki Banchhal Maatu, Goonga Jaane Jagat Vikhyaatu.

- The mother of Banchhal, who was once mute, became famous after gaining yogic abilities.

Yog Yukti Meera Ne Paai, Garh Chittaur mein Phiri Duhai.

- Meera attained spiritual liberation through yoga and wandered around Chittorgarh, spreading her devotion.

Yog Yukti Ahilya Jani, Teen Lok mein Chali Kahani.

- Ahilya was freed from her curse by yogic power, and her story spread across all three worlds.

Savitri Saraswati Bhavani, Parbati Shankar Sanmaani.

- You are honored by divine mothers like Savitri, Saraswati, Bhavani, and Parvati.

Singh Bhavani Mansa Maai, Bhadr Kalika Sahja Baai.

- You are the fierce Bhavani riding a lion, as well as gentle goddesses like Mansa and Bhadrakali.

Kamroo Desh Kamaksha Yogan, Dakshin mein Tulja Ras Bhogan.

- You are revered as Kamaksha in Kamroo and Tulja Bhavani in the southern lands.

Uttar Desh Sharada Rani, Poorab mein Patan Jag Mani.

- You are revered as Goddess Sharada in the northern region and the divine jewel in Patan of the eastern lands.

Pashchim mein Hinglaj Viraje, Bhairav Naad Shankhadhwani Baje.

- In the west, you reside as the goddess Hinglaj, with the sounds of Bhairav chants and conch shells echoing around you.

Nav Kotik Durga Maharani, Roop Anek Ved Nahi Jaani.

- You are the great Durga, worshipped in nine crore forms, whose many divine forms are beyond the knowledge of the Vedas.

Kaal Roop Dhar Daitya Sanhare, Rakt Beej Ran Khet Pachhare.

- Taking on the fierce form of time, you destroy demons like Raktabeej in the battlefield.

Main Yogan Jag Utpati Karti, Palan Karti Sanhriti Karti.

- Through yogic power, I create the universe, sustain it, and bring about its dissolution.

Jati Sati ki Raksha Karni, Maar Dusht Dal Khaps Bharni.

- I protect virtuous souls and saints while destroying evil forces and filling the world with justice.

Main Shrinath Niranjan Daasi, Jinko Dhyaave Siddh Chaurasi.

- I am the humble servant of Lord Shrinath Niranjan, who is worshipped by the 84 Siddhas.

Yog Yukti Virache Brahmanda, Yog Yukti Thape Navkhanda.

- Through yoga, I created the entire cosmos and established the nine regions of the world.

Yog Yukti Tap Tapen Mahesha, Yog Yukti Dhar Dhare Hain Shesha.

- Mahesh (Lord Shiva) performs intense penance through yoga, and Shesha (the serpent king) holds the earth through yoga.

Yog Yukti Vishnu Tan Dhaare, Yog Yukti Asuran Dal Maare.

- Lord Vishnu incarnates through yoga and defeats demonic forces through yogic power.

Yog Yukti Gajanan Jaane, Adi Dev Tirloaki Maane.

- Gajanan (Lord Ganesh) understands the depths of yoga, and the original deity is revered throughout the three worlds.

Yog Yukti Karke Balwaan, Yog Yukti Karke Buddhimaan.

- Through yoga, one becomes strong, both physically and mentally.

Yog Yukti Kar Paave Raaj, Yog Yukti Kar Sudhre Kaaj.

- By mastering yoga, one can attain sovereignty and success in all endeavors.

Yog Yukti Yogeshwar Jaane, Janakadik Sanakadik Maane.

- Yogic wisdom is known by the supreme masters of yoga and respected by sages like Janak and the four Kumaras.

Yog Yukti Mukti ka Dwara, Yog Yukti Bin Nahi Nistaara.

- Yoga is the gateway to liberation, and without yoga, there is no escape from the cycle of life and death.

Yog Yukti Jaake Man Bhaave, Taaki Mahima Kahi Na Jaave.

- The greatness of one who masters yoga is beyond words and cannot be fully described.

Jo Nar Padhe Siddh Chalisa, Aadar Karein Dev Teintisa.

- Whoever recites this Siddh Chalisa is respected by the thirty-three types of divine beings.

Sadhak Paath Padhe Nit Joi, Manokamna Puran Hoi.

- If a spiritual seeker regularly reads this, all their desires and aspirations will be fulfilled.

Dhoop Deep Naivedya Mithai, Rot Langot ko Bhog Lagai.

- Offer incense, lamps, sacred food, sweets, and cloth as offerings to please the divine.

Doha
Ratan Amolak Jagat mein, Yog Yukti Hai Meet.

- Yoga is the priceless jewel of the world, the true companion in life.

Nar se Narayan Bane, Atal Yog ki Reet.

- By following the eternal path of yoga, a human can elevate to divine status.

Yog Vihangam Panth ko, Adi Nath Shiv Keen.

- Lord Shiva, the original Nath, established the spiritual tradition of Vihangam Yoga.

Shishya Prashishya Parampara, Sab Manav ko Deen.

- This tradition was passed down from master to disciple for the benefit

of all mankind.

Pratah Kaal Snaan Kar, Siddh Chalisa Gyaan.

- One should bathe early in the morning and recite or listen to the Siddh Chalisa for spiritual wisdom.

Padhein Sune Nar Paavahi, Uttam Pad Nirvaan.

- Those who recite or hear it will attain the supreme state of liberation (nirvana).